Title ____________ Date ________
Page No. ________

(1)

NAME- Jyoti Kumari Sub-> Conflict & Peace (SEC)
ROLL.NO- 155

Q.1 संरचनात्मक हिंसा की संकल्पना का वर्णन कीजिए? उदाहरण के साथ संरचनात्मक हिंसा एवं प्रत्यक्ष हिंसा में अंतर स्पष्ट कीजिए?

Ans-> परिचय ->

हिंसा की परिभाषा दो मुख्य वर्गों में की जा सकती है- प्रत्यक्ष हिंसा और संरचनात्मक हिंसा। प्रत्यक्ष हिंसा किसी व्यक्ति के शरीर पर या उसकी मनोवैज्ञानिक एकता पर जान-बूझ कर किया गया प्रहार होता है। इसे सामाजिक हिंसा भी कहते हैं। इस श्रेणी में सभी प्रकार की हत्याएँ शामिल होती हैं, जैसे कि उपनिवेशों की व्यापक हत्या जो निर्दयी रूप से की गई हो। इसमें कुछ अन्य प्रकार की पाशविक हिंसा भी शामिल होती है जैसे कि दारुण वेदना, यातना, बलात्कार, अपहरण और जबरदस्ती हटाया जाना।

हिंसा का दूसरा प्रकार है संरचनात्मक हिंसा पर महत्वपूर्ण शोध जिसे अप्रत्यक्ष हिंसा भी कहा जाता है। इस प्रकार की हिंसा में आक्रामक और पीड़ित व्यक्ति दोनों में तब कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता है। गाल्टुंग ने 1960 के दशक में संरचनात्मक हिंसा का महत्वपूर्ण शोध कार्य किया था। उसने हिंसा के विविध रूपों का अध्ययन किया, और वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि कभी-कभी राज्य भी अपने नागरिकों के विरुद्ध क्रमिक रूप से हिंसा कर सकता है। उसके अनुसार हिंसा की निश्चित परिभाषा कर पाना संभव नहीं था। गाल्टुंग के अनुसार, हिंसा संभावित और वास्तविक के मध्य भेद का कारण होती है। अनुभव का साक्रिय स्तर है वह है जो संसाधनों और अन्तर्दृष्टि के किसी विशेष संदर्भ में संभव है, परन्तु यदि अंतर्दृष्टि और संसाधनों पर किसी एक वर्ग या समूह का एकाधिकार स्थापित हो जाए, तब वास्तविक स्तर साक्रिय से नीचे

DELTA®

Title Date
Page No.

गिर सकता है। गाल्तुंग के अनुसार, यह ऐसा स्तर है जहाँ हिंसा चिंता का विषय बन जाती है। युद्ध की स्थिति में हिंसा प्रत्यक्ष होती है, तथा किसी व्यक्ति की हत्या अथवा उसे घायल करने संबंधी उद्देश्य भी उपलब्ध माना जाता है। अप्रत्यक्ष हिंसा में, अंतर्दृष्टि और संसाधन को इस प्रकार समन्वित करना होगा जिसमें घटनाएँ सक्रिय स्तर तक न पहुँच जाएँ।

हिंसा तब भी हो सकती है जब कोई व्यक्ति या संस्था, प्रत्यक्ष रूप से इसके लिए अपराधी नहीं है। इसे गाल्तुंग ने अप्रत्यक्ष या संरचनात्मक हिंसा का नाम दिया है। कोई व्यक्ति-विशेष किसी अन्य व्यक्ति को हानि पहुँचाने वाला बेशक न हो। ऐसे व्यक्तियों या संस्थाओं को, जो ऐसी हिंसा करते हैं उन्हें प्राय: समाज और कानून अपराधी नहीं मानता वास्तव में इस प्रकार की हिंसा समाज की संरचना का अंश होती है। इसके (हिंसा के) उभरने का कारण प्राय: शक्ति का असमान वितरण होता है, जिसका परिणाम है- जीवन के असमान अवसर, संसाधनों का विभाजन समान नहीं होता और संसाधनों के विभाजन करने का अधिकार भी असमान होता है। ऐसी स्थिति में, कम आय वाले व्यक्ति शिक्षा, स्वास्थ्य और शक्ति की प्राप्ति से भी निम्न स्तर के होते हैं।

संरचनात्मक हिंसा का प्रमुख कारण असमानता होती है, गाल्तुंग ने कहा था कि संरचनात्मक हिंसा समाज के स्तरीकरण के कारण उभरती है। इस व्यवस्था में यह निश्चित होता है कि किसका स्थान ऊँचा है या अन्त:संबंधों का उचित उपाय क्या है। सामान्य रूप से उच्च वर्ग अपने जैसे उच्च वर्गों के साथ ही संबंध रखता है। अन्य शब्दों में यदि एक अभिकर्ता किसी एक व्यवस्था में उच्च स्तर पर है तो वह अन्य व्यवस्था में भी, जिसमें वह भाग लेता है,

Title ______ Date ______
______ Page No. ______

उच्च स्तर पर ही होगा। अतः आर्थिकसमितियों में परिवर्तन के बावजूद असमानता और संरचनात्मक हिंसा की उत्पत्ति की क्षमता भी ऊँची होती है।

संरचनात्मक हिंसा में निम्नलिखित तीन प्रकार की हिंसा शामिल होती है। प्रथम, भूल के कारण हिंसा, जबकि राज्य उन व्यक्तियों को पर्याप्त सहायता और सुरक्षा उपलब्ध नहीं करवा सकता है जोकि सामाजिक हिंसा या पर्यावरण के संकटपूर्ण जोखिम के खतरों का शिकार हो सकते हैं। द्वितीय, दमनकारी हिंसा जिसका कारण हो सकता है मूल अधिकारों से वंचित किया जाना तथा दीन-हीनों की सामाजिक-आर्थिक भागीदारी से दूर रखना। अंतिम, अलग-अलग पड़ने के कारण हिंसा नागरिकों की कार्यस्थल या स्कूल या सार्वजनिक स्थानों पर हिंसा इन लोगों का विशेष विचार से आगे किया जाएगा।

* प्रत्यक्ष हिंसा व सकारात्मक हिंसा में अंतर →
प्रत्यक्ष हिंसा → (जान-बूझकर, सोच-समझकर, किसी व्यक्ति को शारीरिक या मानसिक क्षति पहुँचाना)

नर हत्या → (1) जाति संहार
(2) कत्ले आम
(3) हत्या

पाशविक कार्य - (1) उत्पीड़न
(2) बलात्कार
(3) दुर्व्यवहार

प्रतिबंध या शारीरिक रुकावटें - (1) जनसंख्या को बलपूर्वक हटाना
(2) अपहरण (3) बंदी बनाना (4) कारावास
(5) बलात् मजदूरी।

DELTA®

Title ____________ Date ______
Page No. ______

संरचनात्मक हिंसा - (अधिकारों की अप्रत्यक्ष अवहेलना)

अनजाने में (भूल से) हिंसा
(संकट में पड़े व्यक्ति को सहायता न देना : परमावश्यक भौतिक आवश्यकताओं की प्राप्ति न होना)
1) सामाजिक हिंसा (भूख, बीमारी, निर्धनता) के विरुद्ध संरक्षण का अभाव
(2) दुर्घटनाओं से सुरक्षा का अभाव
(3) प्राकृतिक हिंसा (तूफान, भूकंप) के विरुद्ध सुरक्षा का अभाव

परोक्ष हिंसा (खतरनाक व्यापार या प्राकृतिक और सामाजिक पर्यावरण)

उत्पीड़नकारी हिंसा (मौलिक अधिकारों से वंचित करना)

सामाजिक अधिकार
(1) धार्मिक संघों से इनकार (वंचित रखना)
(2) सामाजिक समानता से इनकार (वंचित रखना)
(3) सामाजिक और आर्थिक जीवन में भागीदारी से इनकार
(4) भौतिक, व्यक्तिगत और सामूहिक सम्पत्ति की रक्षा से इनकार
नागरिक अधिकार (राज्य के द्वारा सुरक्षा व्यवस्था से वंचित रखना)
राजनीतिक अधिकार (राजनीतिक जीवन में घरेलू भागीदारी से वंचित रखना)

अलग-थलग (दुराव की) हिंसा - (उच्चतर अधिकारों से वंचित रखना)
(1) अलग-थलग जीवन परिस्थितियाँ (कार्य स्थल, घर और स्कूल में)
(2) सामाजिक अस्वीकृति (हुक्का-पानी बंद) (समाज के कमज़ोर समूहों जैसे महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध शत्रुता)
(3) जातीय हिंसा।

DELTA

संरचनात्मक हिंसा (अप्रत्यक्ष (भूल से) हिंसा)

इस हिंसा से मतलब उस स्थिति से है जिसमें सहायता के अभाव में मानव संकट में फंस जाते हैं। राज्यों के पास नागरिकों की सहायता करने के लिए संसाधनों और मानव शक्ति दोनों होते हैं ताकि उन व्यक्तियों की सुरक्षा की जा सके जो प्राकृतिक या मानव-जनित आपदाओं के शिकार हो जाते हैं। अल्पसंख्यक समूहों के विरुद्ध बहुसंख्यकों की हिंसा को रोकने के लिए पुलिस को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि अल्पसंख्यक समूहों के विरुद्ध बहुसंख्यकों की हिंसा को रोकने के लिए पुलिस को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए ताकि अल्पसंख्यकों की रक्षा हो सके। उसी प्रकार ऐसी प्राकृतिक आपदाओं के समय जिनका पूर्वानुमान लगाया जा सकता है, राज्य को तुरंत आपातकालीन उपाय करने चाहिए ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यदि राज्य ऐसे उपाय करने में विफल रहता है जो उसके वश में है और नागरिक सुरक्षित नहीं रह पाते तब यह अनजाने में या भूल से हुई हिंसा मानी जाती है।

अफ्रीका में भुखमरी अनजाने में हुई हिंसा का एक प्रमुख उदाहरण है। इसे आधुनिक समय का शाप या "चुपचाप की हिंसा" कहा जाता है। प्रत्येक प्राकृतिक आपदा (बाढ़, भूकंप आदि) के बाद अनेक अवसरों पर लोग पौष्टिक आहार से वंचित रहते हैं या फिर अनेकों की मृत्यु भी हो जाती है। बल्कि अफ्रीका में प्रायः ऐसा इसलिए नहीं होता क्योंकि पर्याप्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध नहीं होते, बल्कि ऐसा अनेक सामाजिक-राजनीतिक कारणों से होता है। बियाफ्रा संघर्ष के समय नाइजीरिया की संघीय सरकार ने जान-बूझकर पृथकतावादी इबो जनता को भूख से तड़पा कर मरवा दिया था। अफ्रीका में स्वास्थ्य ~~००~~ अल्प स्तर

Title ____________ Date ________
____________ Page No. ________

है जैसे अनजाने में हिंसा की श्रेणी में रखा जा सकता है। किसी भी देश में लोगों की बीमारियाँ बहुधा क्षेत्रीय, सामाजिक या जातीय कारणों से प्रभावित होती हैं। शहरी बनाम ग्रामीण क्षेत्र या किसी क्षेत्र विशेष को ध्यान की आपूर्ति करने की राजनीतिक शक्ति की इस में महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

* परोक्ष हिंसा - यह प्रक्रिया का नाम है जिसमें वर्तमान प्राकृतिक या सामाजिक पर्यावरण में मानव हस्तक्षेप के द्वारा परिवर्तन किए जाते हैं जिनसे तुरंत तो किसी को पीड़ा नहीं पहुँचती पर दीर्घकाल में इसके गंभीर नकारात्मक प्रभाव होते हैं। इस प्रकार हिंसा में आक्रमण करने वाला और पीड़ित व्यक्ति संपर्क में नहीं होते हैं। सबसे आम ध्यान देने वाली घटनाएँ - प्राकृतिक पर्यावरण में परिवर्तन करने का प्रयास, जैसे कि परमाणु परीक्षण, औद्योगिक प्रदूषण या ऐसी वस्तुओं की बिक्री जो उपयोग करने वाले के लिए खतरनाक हो सकती हैं।

निष्कर्ष

हिंसा का अर्थ है - शारीरिक और मानसिक हिंसा, और साथ ही लोगों को अनेक मौलिक अधिकारों से वंचित रखना। हिंसा किसी व्यक्ति, समुदाय या सरकार द्वारा की जा सकती है। हिंसा का एक रूप यह भी है कि नागरिकों को राज्य पर्याप्त खाद्य सामग्री उपलब्ध होते हुए भी, राजनीतिक कारणों से भोजन की आवश्यक आपूर्ति जान-बूझकर न करवाए। इस प्रकार भूख और पौष्टिक आहार का अभाव राज्य द्वारा व्यक्तियों के विरुद्ध की गई हिंसा होता है। अफ्रीका में हिंसा की अभिव्यक्ति सभी रूपों में होती रही है। अफ्रीका में जातीय संघर्ष हिंसा का एक मुख्य स्रोत है। गृह युद्ध हिंसा का एक प्रमुख स्रोत है। सैनिक शासक वाले देशों में तो विरोधी दलों के लोगों का अपहरण और उनकी हत्या आम बात है। सरकार की

DELTA®

Title ______________________ Date ________
______________________ Page No. ________

ओर से प्रेरित संरचनात्मक हिंसा भी सामान्य घटना है। स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रखना, बहुराष्ट्रीय निगमों को प्रतिबंधित उत्पादों को बेचने से न रोकना, तथा पर्याप्त भोजन सामग्री की आपूर्ति न होने देना, यह भी संरचनात्मक हिंसा के उदाहरण है।

DELTA®